Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ______________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

Test Booklet No.

J	8	0	1	0

Time : **2 $^1/_2$** hours] **PAPER-III** [Maximum Marks : **200**

GEOGRAPHY

Number of Pages in this Booklet : **24** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

GEOGRAPHY
भूगोल

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. "Complexity of geomorphic processes is more common than simplicity." Discuss.
"भूआकृतिक प्रक्रिया में सरलता के बनिस्बत जटिलता अधिक है ।" विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

Describe the concept of food security. Discuss the measures for ensuring food security in food deficit areas of India.

खाद्यान्न सुरक्षा की संकल्पना को समझाइये । भारत में खाद्यान्न की कमी वाले क्षेत्रों में खाद्यान्न सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों की व्याख्या कीजिए ।

2. Discuss the origin and distribution of mid-latitude cyclones.

मध्य अक्षांशीय चक्रवातों की उत्पत्ति एवं वितरण की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Define human development. What are the major indicators used for its measurements ?

मानव विकास को परिभाषित कीजिए । इसके मापन के लिए किन मुख्य सूचकों का उपयोग किया जाता है ?

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Contemporary metropolitan growth in India is facilitating spatial segregation and social exclusion. Discuss.

   भारत में समसामयिक महानगरीय वृद्धि स्थानिक पृथक्करण एवं सामाजिक अपवर्जन को प्रोत्साहित करती है । व्याख्या कीजिए ।

4. Distinguish between hazards and disasters and identify the major flood prone areas of India.

   आपदा एवं विपदा में अन्तर कीजिए तथा भारत में प्रमुख बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निर्धारण कीजिए ।

5. Discuss the main characteristics of monsoon biomes.

   मानसून बायोम के प्रमुख अभिलक्षणों की व्याख्या कीजिए ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Classify coasts giving suitable examples.
   उपयुक्त उदाहरण देते हुए समुद्री तटों का वर्गीकरण कीजिए ।

7. Discuss sea port and its attributes.
   समुद्री बन्दरगाह एवं उसकी विशेषताओं की व्याख्या कीजिए ।

8. Define bio-diversity.

जैव विविधता को परिभाषित कीजिए ।

9. Define threshold of an urban function.

नगरीय कार्य की न्यूनतम अपेक्षा को परिभाषित कीजिए ।

10. What is political ecology ?

राजनैतिक पारिस्थितिकी क्या है ?

11. What do you mean by adiabatic process ?

रुद्धोष्म प्रक्रिया से आप क्या समझते हैं ?

12. Define social wellbeing.

सामाजिक कल्याण को परिभाषित कीजिए ।

13. Differentiate between cyclone and anti-cyclone.

चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात में अन्तर कीजिए ।

14. Briefly explain the thrust of David Harvey's 'Explanation in Geography'.

डेविड हार्वे की 'एक्सप्लेनेशन इन ज्योग्रफी' के मूल कथ्य की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

Read the following paragraph and answer the following questions :

There are three distinguishing features of post-modernist thought in geography : First, space-time specificity in social explanation. This implies that post-modernist thought in social science insists on the understanding of “a world which is meaningful for the people who live within it.” Reflexiveness (implying focus on the role of the human agent’s action upon himself or the identity between object and subject) is intrinsic to post-modernist work in the social sciences but this does not imply complete repudiation of the scientific principles of naturalism though the search for universal theories is eschewed. Secondly, post-modernism insists on distancing itself from the totalization (i.e., the concept of the society as a totality following a universal process of historical change irrespective of space context). Post-modernist thought holds that: “The eble and flow of human history is not reduced to the marionette movements of a single structural principle, whatever its location, and the differences which make up human geographies are not explained by some central generating mechanism.” Thirdly, post-modern human geography represents a critique of spatial science – it is not a continuation of it but at the same time, it does not represent a break with the past. Post-modern geography focuses on the essential spatiality of social life (rather than the geometry of social behaviour.)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये तथा उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

उत्तर आधुनिकतावादी भूगोल की तीन प्रमुख विशेषताएँ हैं । एक यह कि सामाजिक व्याख्या दिक्स्थान और काल सापेक्ष है । उत्तर आधुनिकतावादी मानव भूगोल अध्ययन के लिए चुनी गई स्थानिक इकाई और उससे सम्बद्ध समस्याओं को वहाँ रहनेवाले लोगों की दृष्टि से देखने पर बल देता है । प्रत्यावर्तन अथवा कर्तृत्व विषयकता (रिफ्लेक्सिवनेस), अर्थात् विषय और विषयवस्तु के बीच पूरा तादात्म्य उत्तर आधुनिकतावादी समाज वैज्ञानिक चिंतन की आधारभूत मान्यता है । परन्तु यह सही है कि उत्तर आधुनिकतावादी समाज वैज्ञानिक चिंतन

विश्वस्तरीय व्यापकता वाले नियमों के प्रतिपादन की किसी संभावना से इनकार करता है, परन्तु प्रत्यावर्तन या कर्तृत्व विषयकता का यह अर्थ नहीं है कि समाज वैज्ञानिक चिंतन प्राकृतिक विज्ञानों की सिद्धान्तपरक अध्ययन पद्धति से पूरी तरह विमुख हो गया है । दूसरी विशेषता यह है कि उत्तर आधुनिकतावादी चिंतन सामाजिक इकाइयों की परिपूर्णता संबंधी संकल्पना और उससे सम्बद्ध इस मान्यता को पूरी तरह अस्वीकार करता है कि सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया सर्वथा ऐतिहासिक प्रक्रिया है और उसका प्रभाव विश्व की सभी सामाजिक इकाइयों पर एक सा होता है, उन सामाजिक इकाइयों की भौगोलिक स्थिति चाहे जो भी हो । स्थान-निरपेक्षता और इतिहासवाद के दावों का उत्तर आधुनिकतावादी मानव भौगोलिक चिंतन में कोई स्थान नहीं है । तीसरी विशेषता यह है कि उत्तर आधुनिकतावादी मानव भूगोल 1960 के दशक में स्थापित भूगोल के क्षेत्रीय विज्ञान वाले स्वरूप और उसकी वैचारिक मान्यताओं की समीक्षात्मक आलोचना का प्रतिनिधित्व करता है । परन्तु इसका तात्पर्य यह नहीं है कि उत्तर आधुनिकतावादी मानव भूगोल का भूगोल के पूर्वगामी इतिहास और उसके विकास क्रम से कोई संबंध नहीं है । यह मानव भूगोल की ऐतिहासिक मान्यताओं से पूरी तरह जुड़ा है और सामाजिक जीवन की आधारभूत क्षेत्रीयता इसके अध्ययन का केन्द्रीय विषय है ।

15. What is the concept of post-modernism ?
उत्तर आधुनिकतावाद की संकल्पना क्या है ?

16. Discuss the history of post-modernism in geography.
भूगोल में उत्तर आधुनिकतावाद के इतिहास की विवेचना कीजिए ।

17. How does post-modern geography focus on spatiality of social life ?
किस प्रकार उत्तर आधुनिकतावाद भूगोल सामाजिक जीवन की स्थानिकता को दर्शाता है ?

18. Explain the concept of space and time in social explanation.
सामाजिक विश्लेषण में दिक्स्थान और काल की संकल्पना को समझाइए ।

19. Why and how post-modernism is anti-totalization in geography ?
भूगोल में उत्तर आधुनिकतावाद क्यों और कैसे परिपूर्णता के विपरीत है ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....